

द्विसहस्राक्ष वि. (तत्.) दो हजार नेत्रों वाला पुं. शेषनाग।

द्विसांस्कृतिक पुं. (तत्.) 1. दो संस्कृतियों से संबंधित दो संस्कृतियों का 2. दो संस्कृतियों का परस्पर।

द्विसाप्ताहिक वि. (तत्.) दो सप्ताहों या एक पक्ष में एक बार (प्रकाशित होने वाली पत्रिका)।

द्वीन्द्रिय वि. (तत्.) वह प्राणी जिसके शरीर में दो इंद्रियाँ ही हों।

द्वीप पुं. (तत्.) नदी के बहाव से घिरा हुआ स्थान; टापू।

द्वीपपुञ्ज पुं. (तत्.) अनेक छोटे-छोटे और समीप के द्वीपों का समूह।

द्वीपवती स्त्री. (तत्.) भूमि, नदी।

द्वीपवान् वि. (तत्.) द्वीपों वाला पुं. नद, समुद्र।

द्वीपशृङ्खला स्त्री. (तद्.) द्वीपों की पंक्ति, द्वीपों का समूह।

द्वीपांतर पुं. (तत्.) अन्य द्वीप, भिन्न द्वीप।

द्वीपांतरण पुं. (तत्.) 1. द्वीप से दूसरे द्वीप में होने वाला, स्थानांतरण 2. (भारत में) कालापानी का दंड।

द्वीपी वि. (तत्.) 1. द्वीप-संबंधी, द्वीप का 2. द्वीप में रहने वाला पुं. 1. चीता 2. लकड़बग्घा 3. चित्रक नामक वृक्ष।

द्वेष पुं. (तत्.) विरोध या शत्रुता के कारण किसी व्यक्ति को हानि पहुँचाने का भाव, वैर-भाव।

द्वेषण पुं. (तत्.) 1. द्वेष करने की क्रिया 2. घृणा 3. शत्रुता।

द्वेषाग्नि/द्वेषानल पुं. (तत्.) द्वेष-रूपी अग्नि, वैर का प्रचंड/प्रबल रूप।

द्वेषांध वि. (तत्.) द्वेष से अंधा बना हुआ।

द्वेषी वि. (तत्.) द्वेष करने वाला, वैर रखने वाला।

द्वेष्टा वि. (तत्.) द्वेषी।

द्वेष्य वि. (तत्.) द्वेष के योग्य पुं. शत्रु।

द्वै वि. (तत्.) 1. दो 2. दोनों।

द्वैक वि. (तत्.) दो-एक, थोड़े-से, कुछ।

द्वैगुण्य पुं. (तत्.) 1. द्विगुणता, दुगुणापन, दूनापन 2. तीनों गुणों (सत्त्व, रज और तम) में से दो की प्रधानता से युक्त होने की अवस्था/भाव 3. दुगुना धन/मूल्य/भाव।

द्वैत पुं. (तत्.) 1. दो होने की अवस्था/भाव 2. युगल, जोड़ा 3. भेद-भावना, परायापन 4. अज्ञान, मोह, ब्रह्म और आत्मा/जीवात्मा में अंतर।

द्वैतवाद पुं. (तत्.) भा.दर्श. दर्शन. भेदभाव, परायापन, ब्रह्म और आत्मा/जीवात्मा में अंतर मानने का सिद्धांत।

द्वैत्रिज्य पुं. (तत्.) गणि. किसी वृत्त का वह भाग जो दो त्रिज्याओं और उनके बीच के चाप से घिरा हो।

द्वैध पुं. (तत्.) 1. दो प्रकार के होने की अवस्था/भाव, द्वि प्रकारता 2. भेद-भाव 3. दो प्रकार का स्वभाव 4. दो प्रकार का व्यवहार, दो प्रकार की नीतियों का व्यवहार करने की अवस्था/गुण/भाव 5. अंतर, फर्क 6. संदेह, शक।

द्वैधीकरण पुं. (तद्.) 1. किसी वस्तु के दो भाग करना 2. द्वैध उत्पन्न करना।

द्वैधीभाव पुं. (तद्.) 1. निश्चय का अभाव, अनिश्चय, दुविधा 2. दो प्रकार का व्यवहार करने की अवस्था/भाव, मन में जो भाव है, उससे भिन्न भाव व्यवहार में प्रकट करना।

द्वैभाषिकता स्त्री. (तद्.) दो भाषाओं में बोलने/लिखने की अवस्था/गुण/भाव।

द्वैमातृक पुं. (तत्.) वह क्षेत्र जहाँ खेती वर्षा के जल और नदी आदि के जल से भी होती है।

द्वैवार्षिक वि. (तद्.) प्रति दो वर्ष में होने वाला, द्विवार्षिक।

द्वैविध्य पुं. (तद्.) 1. असमंजस, दुविधा 2. भिन्नता, अंतर, फर्क 3. दो प्रकार का होने वाला भाव/गुण।

द्वौ वि. (तद्.) दोनों।

द्वव्यात्मक वि. (तद्.) दो स्वभावों वाला।